પરિપત્ર:

ભક્તકવિ નરસિંહ મહેતા યુનિવર્સિટીની આર્ટસ વિદ્યાશાખાનાં અભ્યાસક્રમ ચલાવતી તમામ સંલગ્ન કોલેજોનાં આચાર્યશ્રીઓને સવિનય જણાવવાનું કે આર્ટસ વિદ્યાશાખા હેઠળનો NEP-૨૦૨૦ અંતર્ગતનો હિન્દી વિષયનો (બી.એ હિન્દી વિથ ઓનર્સ) નો સેમેસ્ટર-૩ અને સેમેસ્ટર-૪ નો અભ્યાસક્રમ આ સાથે સામેલ છે.

માનનીય કુલપતિશ્રીની મંજુરી અનુસાર સદર અભ્યાસક્રમ શૈક્ષણિક વર્ષ જુન,૨૦૨૪ થી અમલવારી કરવાની રહે છે. આર્ટસ વિદ્યાશાખાનાં અભ્યાસક્રમ ચલાવતી તમામ સંલગ્ન કોલેજો ધ્વારા તેની અમલવારી કરવા જણાવવામાં આવે છે.

Bhakta Kavi Narsinh Mehta University Junagadh.

૦૧/૦૭/૨૦૨૪

ખાસ ફરજ પરના અધિકારી
(એકેડમિક)

ક્રમાંક/બીકેએનએમયુ/ એકેડેમિક/૮૦૪/૨૦૨૪
ભક્તકવિ નરસિંહ મહેતા યુનિવર્સિટી,
સરકારી પોલીટેકનિક કેમ્પસ,
ભક્તકવિ નરસિંહ મહેતા યુનિવર્સિટી રોડ,
ખડીયા, જૂનાગઢ-૩૬૨૨૬૩
તા.૦૧/૦૭/૨૦૨૪

પ્રતિ,

- ભક્તકવિ નરસિંહ મહેતા યુનિવર્સિટી સંલગ્ન આર્ટસ વિદ્યાશાખાનાં અભ્યાસક્રમો ચલાવતી તમામ કોલેજોના આચાર્યશ્રીઓ તરફ....

નકલ સાદર રવાના:-

- માન.કુલપતિશ્રી/કુલસચિવશ્રીનાં અંગત સચિવશ્રી.
- પરીક્ષા નિયામકશ્રી, ભક્તકવિ નરસિંહ મહેતા યુનિવર્સિટી, જુનાગઢ

નકલ રવાના જાણ તથા યોગ્ય કાર્યવાહી અર્થે:

- સીસ્ટમ મેનેજરશ્રી, આઇ.ટી.સેલ વિભાગ (વેબસાઇટ ઉપર પ્રસિદ્ધ થવા અર્થે.)

# BHAKTA KAVI NARSINH MEHTA UNIVERSITY
# JUNAGADH

## BOARD OF HINDI STUDIES

## FACULTY OF ARTS

## SYLLABUS FOR

## BACHELOR OF ARTS (HONOURS) PROGRAMME

## (SEMESTER- III & IV)

**MAJOR/MINOR/MULTIDISCIPLINARY**

## EFFECTIVE FROM JUNE, 2024

BHAKTA KAVI NARSINH MEHTA UNIVERSITY

Major/Minor/Multidisciplinary

Syllabus of B.A. (Honors) as per NEP-2020

Faculty of Arts

Effective from June 2024

Subject: HINDI

SEMESTER-III & IV

# तृतीय सत्र

| क्रम | कक्षा | सत्र | पाठ्यक्रम प्रकार | पाठ्यक्रम क्रमांक | पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक | क्रेडिट (मूल्य) | आंतरिक अंक | बाह्य अंक | कुल अंक | कुल व्याख्यान |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | स्नातक | तृतीय | Major | ५ | हिन्दी उपन्यास :चित्रलेखा (भगवतीचरण वर्मा) | ०४ | ५० | ५० | १०० | ६० |
| | | | Major | ६ | हिन्दी साहित्य का इतिहास– रीतिकाल एवं आधुनिककाल – १ (भारतेन्दुयुग, द्विवेदीयुग) | ०४ | ५० | ५० | १०० | ६० |
| | | | Major | ७ | हिन्दी नाटक :आषाढ़ का एक दिन (मोहनराकेश) | ०४ | ५० | ५० | १०० | ६० |
| २ | स्नातक | तृतीय | Minor | - | - | - | - | - | - | - |
| ३ | स्नातक | तृतीय | Multidisciplinary Course | ३ | चयनित नाटककार : जगदीशचंद्र माथुर कृत ‘कोणार्क’ | ०४ | ५० | ५० | १०० | ६० |
| | | | | | कुल | १६ | | | ४०० | |

**BHAKTA KAVI NARSINH MEHTA UNIVERSITY**

**Major/Minor/Multidisciplinary**

**Syllabus of B.A. (Honors) as per NEP-2020**

**Faculty of Arts**

**Effective from June 2024**

**Subject: HINDI**

**SEMESTER-III & IV**

## चतुर्थ सत्र

| क्रम | कक्षा | सत्र | पाठ्यक्रम प्रकार | पाठ्यक्रम क्रमांक | पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक | क्रेडिट (मूल्य) | आंतरिक अंक | बाह्य अंक | कुल अंक | कुल व्याख्यान |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | स्नातक | चतुर्थ | Major | ८ | हिन्दी उपन्यास :'सारा आकाश' (राजेन्द्र यादव) | ०४ | ५० | ५० | १०० | ६० |
| | | | Major | ९ | हिन्दी साहित्य का इतिहास– आधुनिककाल - २ (छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता) | ०४ | ५० | ५० | १०० | ६० |
| | | | Major | १० | हिन्दी नाटक :'एक और द्रोणाचार्य' (शंकर शेष) | ०४ | ५० | ५० | १०० | ६० |
| २ | स्नातक | चतुर्थ | Minor | ३ | चयनित उपन्यासकार: जगदीश्चंद्र कृत 'धरती धन न अपना' | ०४ | ५० | ५० | १०० | ६० |
| ३ | स्नातक | चतुर्थ | Multidisciplinary Course | - | - | - | - | - | - | - |
| | | | | | कुल | १६ | | | ४०० | |

**BHAKTA KAVI NARSINH MEHTA UNIVERSITY**

**Major/Minor/Multidisciplinary**

**Syllabus of B.A. (Honors) as per NEP-2020**

**Faculty of Arts**

**Effective from June 2024**

**Subject: HINDI**

**SEMESTER-III & IV**

## हिन्दी पाठ्यक्रम उद्देश्य.....(Objectives)

### ❖ हिन्दी शिक्षण के सामान्य उद्देश्य

१. छात्रों को शुद्ध बोलने तथा शुद्ध लिखने का ज्ञान देना ।

२. सरल एवं प्रभाव पूर्ण तथा स्पष्ट भाषा में अपने भाव और अनुभूतियों एवं विचारों को व्यक्त करना ।

३. दूसरों की लिखी हुई भाषा एवं बोली हुई भाषा को समझने की योग्यता उत्पन्न करना ।

४. भाषा को हावभाव के साथ एवं आरोह-अवरोह के साथ वचन करने की कला का ज्ञान होना ।

५. छात्रों के ज्ञान, विवेक एवं चरित्र का विकास करना ।

६. पठन-पाठन के प्रति रुचि उत्पन्न करना ।

७. छात्रों को सत-साहित्य की रचना के योग्य बनाना तथा मानव जीवन की विभिन्न परिस्थितियों का अध्ययन करा कर उन्हें भावी जीवन के लिए तैयार करना ।

८. छात्रों को लोकोक्तियाँ एवं मुहावरों का ज्ञान दिलाना ।

९. छात्रों में क्रमबद्ध विचार करने, भाव को अभिव्यक्त करने, तथा ज्ञानार्जन के प्रति गहरी रूचि उत्पन्न करने का प्रयास करना ।

१०. पुस्तक को निहित ज्ञान भंडार का अवलोकन कर स्वाध्याय के प्रति गहरी रुचि उत्पन्न करना ।

११. साहित्य का लक्ष्य उत्तम नागरिक उत्पन्न करना भी हैं इसीलिए हिन्दी शिक्षण का उद्देश्य नागरिकता के उत्तम से उत्तम गुणों का विकास भी हैं।

## ❖ उच्च शिक्षा स्तर पर हिन्दी शिक्षण के उद्देश्य

१. छात्रों को शुद्ध शब्द उच्चारण ध्वनि निर्गम धैर्य तथा आत्मविश्वास एवं प्रवाह उत्साह के साथ बोलने के कौशल का विकास करना ।
२. हिन्दी भाषा और साहित्य की शिक्षा के माध्यम से छात्रों में राष्ट्रीयता की भावना को उजागर करना ।
३. छात्रों में सुंदर लेख, शुद्ध वर्तनी एवं व्याकरण संबंध वाक्य रचना के कौशल का विकास करना ।
४. छात्रों में शुद्ध एवं शिष्ट भाषा सीखने तथा इन की सामान्य जानकारी प्राप्त करने की प्रवृत्ति का विकास करना ।
५. छात्रों को हिंदी की पाठ्य पुस्तकों के माध्यम से मानव उपयोगी ज्ञान कराना ।
६. छात्रों में भाषा एवं उसके साहित्य के प्रति आदर पूर्ण भाव का निर्माण करना ।
७. छात्रों में व्याकरण संबंधी सूत्रों के उच्चारण एवं सृजनात्मक क्षमता की वृद्धि करना ।
८. छात्रों में चिंतन की प्रवृत्ति का विकास करना ।
९. छात्रों को भाषा के व्यवहारिक विश्लेषण में निपुण बनाना ।
१०. छात्रों को व्यवहारिकता का ज्ञान कराना तथा अन्य विषयों का साहित्यिक अध्ययन कराना ।
११. छात्रों को निबंध, संवाद, सारांश, पत्र इत्यादि लिखने की कला कुशलता उत्पन्न करने का प्रयास करना ।

**BHAKTA KAVI NARSINH MEHTA UNIVERSITY**

**Major/Minor/Multidisciplinary**

**Syllabus of B.A. (Honors) as per NEP-2020**

**Faculty of Arts**

**Effective from June 2024**

**Subject: HINDI**

**SEMESTER-III & IV**

## हिन्दी पाठ्यक्रम परिणाम..... (Outcomes)

- हिन्दी में शिक्षा को हासिल करना सरल है ।
- हिन्दी भाषा पारंपरिक ज्ञान, प्राचीनतम सभ्यता ज्ञान और आधुनिक विकास के लिए एक अत्यंत आवश्यक भाषा हैं ।
- हिन्दी संस्कृत का एक सरल रूप है, जिसके द्वारा हम ऐतिहासिक रहस्यों को पढ़ सकते है और एक अनोखी खोज की जा सकती हैं ।
- वर्तमान में हिन्दी भाषा विश्व की प्रभावी भाषा बन चुकी है, विदेशी लोग भी इसे पढ़ रहे हैं, ताकि वे आधुनिक प्रगति कर सके, इसलिए हमें भी
  हिन्दी भाषा में निपुण बनना होगा ।
- हिन्दी भाषा का इतिहास में भी बहुत महत्वपूर्ण योगदान है, जिसे जानना हमारे लिये बहुत महत्वपूर्ण है ।
- हिन्दी भाषा में शिक्षित होना बहुत आवश्यक है और इसके लिए हिन्दी को शिक्षा में लाना बहुत आवश्यक हैं ।
- अब हिन्दी केवल राजभाषा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक बाजार में भी अपनी जगह बना रही है । चाहे वह अध्यापन का कार्य हो या कॉल सेंटर्स, टूरिज्म और इंटरप्रेटर का, सभी में अवसर हैं ।
- हिन्दी भाषा पर अच्छी पकड़ होने के कारण छात्रों को पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रवेश करने में आसानी होती है ।
- हिन्दी के छात्रों के लिए विभिन्न बैंक राजभाषा अधिकारी की नियुक्ति करते हैं । हिन्दी भाषा अधिनियम का प्रावधान है कि सभी संस्थानों में हिन्दी अधिकारी को रखना पड़ेगा । भारत सरकार व निजी संस्थान में हिन्दी अधिकारी के रूप में काम करने का अवसर सामने आता है । देश-विदेश में सरकारी संस्थानों में हिन्दी सलाहकार के रूप में भी काम करने का अवसर भी मिल सकता है ।
- यदि आप किसी दूसरी भाषा पर पकड़ रखते हैं, तो अनुवादक भी बन सकते हैं । विभिन्न ट्रेवल एजेंसियाँ और सरकारी व निजी संस्थान ऐसे लोगों को मौका देते हैं । हिन्दी का ज्ञान होने के साथ-साथ आपको अंग्रेजी का भी ज्ञान होना चाहिए । कर्मचारी चयन आयोग हर साल हिन्दी अनुवादकों की भर्ती करता है ।
- हिन्दी से स्नातक करने के बाद विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होकर बैंक, न्यायिक सेवा, सिविल सर्विस और स्टेट सर्विस के अलावा रेलवे व बैंक आदि में भी नौकरी के बेहतर अवसर हो सकते हैं ।
- हिन्दी भाषा और साहित्य के छात्र लिंग्विस्टिक का भी कोर्स कर सकते हैं और अच्छी नौकरी पा सकते हैं । इसके साथ ही अगर हिन्दी में अच्छी पकड़ है, तो क्रिकेट कमेंटरी से लेकर फैशन जगत व एड एजेंसी और एनजीओ में भी करियर बनाया जा सकता है ।

**BHAKTA KAVI NARSINH MEHTA UNIVERSITY**
**Major/Minor/Multidisciplinary**
**Syllabus of B.A. (Honors) as per NEP-2020**
**Faculty of Arts**
**Effective from June 2024**
**Subject: HINDI**
**SEMESTER-III & IV**

| | |
|---|---|
| **विषय** | हिन्दी |
| **सत्र** | ०३ |
| **पाठ्यक्रम प्रकार** | Major - मुख्य पाठ्यक्रम |
| **पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक** | हिन्दी उपन्यास : चित्रलखा (भगवतीचरण वमा) |
| **पाठ्यक्रम क्रमांक** | ०५ |
| **परीक्षा समयावधि** | २:०० घण्टे |

| **पाठ्यक्रम कक्षा** | **सत्र** | **पाठ्यक्रम प्रकार** | **पाठ्यक्रम क्रमांक** | **क्रेडिट (मूल्य)** | **आंतरिक अंक** | **बाह्य अंक** | **कुल अंक** |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स्नातक | ०३ | Major - मुख्य पाठ्यक्रम | ०५ | ०४ | ५० | ५० | १०० |

**पाठ्यक्रम उद्देश्य :**

- छात्रों को हिन्दी उपन्यास साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों को भगवतीचरण वर्मा के उपन्यास के माध्यम से मानवीय-मूल्यों के प्रति उन्मुख कराना ।
- छात्रों को हिन्दी के सिद्धहस्त उपन्यासकार भगवतीचरण वर्मा से परिचित कराना ।
- भगवतीचरण वर्मा के उपन्यास के द्वारा छात्रों में जीवन-दर्शन और पाप-पुण्य की समझ विकसित करना ।

| **पाठ्य क्रम** | **पाठ्य ईकाई** | **पाठ्य–विषय** | **अंक** |
|---|---|---|---|
| **स्नातक** | **ईकाई–१** | भगवतीचरण वर्मा का व्यक्तित्व – कृतित्व | इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें ।<br>प्रश्न × अंक<br>०४ × १० = ४० (आलोचनात्मक) |
| | | ‘चित्रलेखा’ उपन्यास का कथानक | |
| | **ईकाई–२** | औपन्यासिक तत्वों के आधार पर ‘चित्रलेखा’ उपन्यास की समीक्षा | |
| | | ‘चित्रलेखा’ उपन्यास की पात्र-योजना | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | **ईकाई–३** | 'चित्रलेखा' उपन्यास में युगबोध | ०१ × १० = १० (टिप्पणी चार में से किन्हीं दो ५×५ = १०) |
| | | 'चित्रलेखा' उपन्यास में जीवन-दर्शन | |
| | **ईकाई–४** | 'चित्रलेखा' उपन्यास में विविध समस्याएँ | |
| | | 'चित्रलेखा' उपन्यास का उद्देश्य, शीर्षक, भाषा-शैली, परिवेश, संवाद-योजना, अंत । | |
| | | **कुल अंक** | ५० |

## आंतरिक मूल्यांकन

| क्रम | मूल्यांकन विषय | अंक |
|---|---|---|
| १ | आंतरिक कसौटी | २५ |
| २ | क्लास कसौटी | ०५ |
| ३ | खुली किताब कसौटी | ०५ |
| ४ | खुली नोट कसौटी | ०५ |
| ५ | स्व–कसौटी/ऑनलाइन कसौटी | ०५ |
| ६ | निबंध/प्रपत्र लेखन | ०५ |
| ७ | प्रश्नोत्तरी/वस्तुनिष्ठ कसौटी | ०५ |
| ८ | क्लास असाईन्मेन्ट | ०५ |
| ९ | होम असाईन्मेन्ट | ०५ |
| १० | रपट लेखन | ०५ |
| ११ | सेशोधन/लघुशोध प्रबेध | ०५ |
| १२ | केस अध्ययन | ०५ |
| १३ | मौखिकी/मौखिक कसौटी | ०५ |
| १४ | समूहचर्चा | ०५ |

| | | |
|---|---|---|
| १५ | रोल प्ले | ०५ |
| १६ | प्रपत्र पठन/सेमिनार | ०५ |
| १७ | भाषा प्रयोगशाला कार्य | ०५ |
| १८ | साक्षात्कार | ०५ |
| १९ | शिल्प कार्य | ०५ |
| २० | सह अभ्यासकीय कार्य | ०५ |
| २१ | क्षेत्र असाईन्मेन्ट | ०५ |
| २२ | पोस्टर प्रस्तुति | ०५ |
| २३ | उपस्थिति | ०५ |
| २४ | प्रोजेक्ट कार्य | ०५ |
| | **कुल अंक** | **५०** |

**नोट : क्रम संख्या १ अनिवार्य है । क्रम संख्या २ से २४ तक किन्हीं पाँच का चयन करें, प्रत्येक के पाँच अंक निर्धारित है, छात्र को आंतरिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए १८ अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा ।**

**प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन**

| **क्रम** | **प्रश्न का स्वरूप** | **समय** | **कुल प्रश्न** | **अंक** | **कुल अंक** |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | आलोचनात्मक प्रश्न | २.०० | ०४ | १० | ४० |
| २. | संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) | | ०२ | ०५ | १० |

| | |
|---|---|
| **नोट :** ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.०० घण्टे का रहेगा ।<br>★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ५० अंक का रहेगा । | **पाठ्य पुस्तक : चित्रलेखा**<br>**लेखक : – भगवतीचरण वर्मा**<br>**प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली** |

**संदर्भ ग्रंथ :**

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल अब तक : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन
२. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली
४. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानवत – अनुपम प्रकाशन, जयपुर
५. हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य–खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. हिन्दी का गद्य पर्व : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
७. गद्य विविधा : डॉ. नागेश्वर सिंह : डॉ. माया प्रसाद – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
८. हिन्दी के निर्माण : कुमुद शर्मा – भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
९. हिन्दी गद्य के विविध साहित्य–रूपों का उद्‌भव और विकास : डॉ. बलवन्त लक्ष्मण कोतमिरे –किताब महल, दिल्ली
१०. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. ईश्वरदत्त शील : डॉ. आभारानी – चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर
११. हिन्दी उपन्यास पृष्ठ भूमि और परम्परा : डा. बद्रीदास : ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर
१२. हिन्दी के ऐतिहासिक उपन्यास में इतिहास प्रयोग : डॉ. गोविंद जी
१३. 'चित्रलेखा' समीक्षा : प्रो. शिवशंकर सारस्वत, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१४. पाखण्ड का पर्दाफाश करती – चित्रलेखा : विजय राजबली माथुर

**BHAKTA KAVI NARSINH MEHTA UNIVERSITY**
**Major/Minor/Multidisciplinary**
**Syllabus of B.A. (Honors) as per NEP-2020**
**Faculty of Arts**
**Effective from June 2024**
**Subject: HINDI**
**SEMESTER-III & IV**

| | |
|---|---|
| **विषय** | हिन्दी |
| **सत्र** | ०३ |
| **पाठ्यक्रम प्रकार** | Major - मुख्य पाठ्यक्रम |
| **पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक** | हिन्दी साहित्य का इतिहास– रीतिकाल एवं आधुनिककाल - १ (भारतेन्दुयुग, द्विवेदीयुग) |
| **पाठ्यक्रम क्रमांक** | ०६ |
| **परीक्षा समयावधि** | २:०० घण्टे |

| पाठ्यक्रम कक्षा | सत्र | पाठ्यक्रम प्रकार | पाठ्यक्रम क्रमांक | क्रेडिट (मूल्य) | आंतरिक अंक | बाह्य अंक | कुल अंक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स्नातक | ०३ | Major - मुख्य पाठ्यक्रम | ०६ | ०४ | ५० | ५० | १०० |

**पाठ्यक्रम उद्देश्य :**

- छात्रगण आधुनिककाल की साहित्यिक परिस्थितियों को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण आधुनिककाल का पठन करके एकता, बंधुत्व एवं राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत होंगे ।
- छात्रगण आधुनिककालीन आंदोलन के बारे में विस्तार से समझे ।
- छात्र आधुनिककालीन कविता के माध्यम से जन–साधारण की भावना को समझेंगे ।
- छात्र आधुनिककाल के माध्यम से प्राकृतिक, अलौकिक रहस्यानुभूति महसूस करें ।
- छात्रगण आधुनिककालीन कविता के माध्यम से वर्ग संघर्ष की भावना को मिटाकर 'हम सब एक है' संदेश को सार्थक करेंगे ।

| पाठ्य क्रम | पाठ्य ईकाई | पाठ्य–विषय | अंक |
|---|---|---|---|
| स्नातक | ईकाई–१ | रीतिकालीन परिस्थितियाँ | इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें ।<br>प्रश्न × अंक |
| | | रीतिकालीन साहित्यिक प्रवृत्तियाँ | |
| | | रीतिकाल : नामकरण | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | **ईकाई–२** | रीतिसिद्ध काव्यधारा: विशेषताएँ व प्रमुख कवि | ०४ × १० = ४० (आलोचनात्मक)<br>०१ × १० = १० (टिप्पणी चार में से किन्हीं दो ५×५ = १०) |
| | | रीतिबद्ध काव्यधारा: विशेषताएँ व प्रमुख कवि | |
| | | रीतिमुक्त काव्यधारा: विशेषताएँ व प्रमुख कवि | |
| | **ईकाई–३** | भारतेन्दुयुगीन परिस्थितियाँ | |
| | | भारतेन्दुयुगीन साहित्यिक प्रवृत्तियाँ | |
| | | हरिश्चन्द्र भारतेन्दु एवं अन्य प्रमुख साहित्यकार संक्षिप्त परिचय | |
| | **ईकाई–४** | द्विवेदीयुगीन परिस्थितियाँ | |
| | | द्विवेदीयुगीन साहित्यिक प्रवृत्तियाँ | |
| | | महावीरप्रसाद द्विवेदी एवं अन्य प्रमुख साहित्यकार संक्षिप्त परिचय | |
| | | **कुल अंक** | ५० |

## आंतरिक मूल्यांकन

| क्रम | मूल्यांकन विषय | अंक |
|---|---|---|
| १ | आंतरिक कसौटी | २५ |
| २ | क्लास कसौटी | ०५ |
| ३ | खुली किताब कसौटी | ०५ |
| ४ | खुली नोट कसौटी | ०५ |
| ५ | स्व–कसौटी/ऑनलाइन कसौटी | ०५ |
| ६ | निबंध/प्रपत्र लेखन | ०५ |
| ७ | प्रश्नोत्तरी/वस्तुनिष्ठ कसौटी | ०५ |
| ८ | क्लास असाईन्मेन्ट | ०५ |
| ९ | होम असाईन्मेन्ट | ०५ |
| १० | रपट लेखन | ०५ |

| | | |
|---|---|---|
| ११ | सेशोधन/लघुशोध प्रबेध | ०५ |
| १२ | केस अध्ययन | ०५ |
| १३ | मौखिकी/मौखिक कसौटी | ०५ |
| १४ | समूहचर्चा | ०५ |
| १५ | रोल प्ले | ०५ |
| १६ | प्रपत्र पठन/सेमिनार | ०५ |
| १७ | भाषा प्रयोगशाला कार्य | ०५ |
| १८ | साक्षात्कार | ०५ |
| १९ | शिल्प कार्य | ०५ |
| २० | सह अभ्यासकीय कार्य | ०५ |
| २१ | क्षेत्र असाईन्मेन्ट | ०५ |
| २२ | पोस्टर प्रस्तुति | ०५ |
| २३ | उपस्थिति | ०५ |
| २४ | प्रोजेक्ट कार्य | ०५ |
| | **कुल अंक** | **५०** |

**नोट : क्रम संख्या १ अनिवार्य है । क्रम संख्या २ से २४ तक किन्हीं पाँच का चयन करें, प्रत्येक के पाँच अंक निर्धारित है, छात्र को आंतरिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए १८ अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा ।**

**BHAKTA KAVI NARSINH MEHTA UNIVERSITY**

**Major/Minor/Multidisciplinary**

**Syllabus of B.A. (Honors) as per NEP-2020**

**Faculty of Arts**

**Effective from June 2024**

**Subject: HINDI**

**SEMESTER-III & IV**

### प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

<table>
<tr><th>क्रम</th><th>प्रश्न का स्वरूप</th><th>समय</th><th>कुल प्रश्न</th><th>अंक</th><th>कुल अंक</th></tr>
<tr><td>१.</td><td>आलोचनात्मक प्रश्न</td><td rowspan="2">२.००</td><td>०४</td><td>१०</td><td>४०</td></tr>
<tr><td>२.</td><td>संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)</td><td>०२</td><td>०५</td><td>१०</td></tr>
<tr><td colspan="2">नोट : ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.०० घण्टे का रहेगा ।<br>★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ५० अंक का रहेगा ।</td><td colspan="4">पाठ्य पुस्तक : हिन्दी साहित्य का इतिहास<br>लेखक : – रामचन्द्र शुक्ल<br>प्राप्ति स्थान : नागरी प्रचारिणी सभा, काशी</td></tr>
</table>

**संदर्भ ग्रंथ :**


१. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली

२. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानवत – अनुपम प्रकाशन, जयपुर

३. हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य–खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

४. हिन्दी का गद्य पर्व : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

५. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

६. लंबी कविताओं का रचना विधान : सं. नरेन्द्रमोहन – दि. मैकमिलकन कंपनी ऑफ इन्डिया लिमिटेड, दिल्ली

७. हिन्दी के निर्माण : कुमुद शर्मा – भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली

८. कविता की जमीन और जमीन की कविता : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

९. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल अब तक : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन

१०. हिन्दी भाषा का इतिहास : प्रो. ओमप्रकाश तरूण : रीगल बुक डिपो, दिल्ली

११. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिककाल सन १८५० से आजतक, डॉ. देवायत एम. सोलंकी, आयुध प्रकाशन, भावनगर

| | |
|---|---|
| **विषय** | हिन्दी |
| **सत्र** | ०३ |
| **पाठ्यक्रम प्रकार** | Major - मुख्य पाठ्यक्रम |
| **पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक** | हिन्दी नाटक : आषाढ़ का एक दिन (मोहन राकश) |
| **पाठ्यक्रम क्रमांक** | ०७ |
| **परीक्षा समयावधि** | २:०० घण्टे |

| **पाठ्यक्रम कक्षा** | **सत्र** | **पाठ्यक्रम प्रकार** | **पाठ्यक्रम क्रमांक** | **क्रेडिट (मूल्य)** | **आंतरिक अंक** | **बाह्य अंक** | **कुल अंक** |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स्नातक | ०३ | Major - मुख्य पाठ्यक्रम | ०७ | ०४ | ५० | ५० | १०० |

**पाठ्यक्रम उद्देश्य :**

- छात्रगण मोहन राकेश के बारे में विस्तार से समझे ।
- छात्रगण ऐतिहासिक नाट्य धारा का पठन करके एकता, समन्वय, और ईश्वरीय सत्ता के प्रति आशावादी होंगे ।
- छात्र ऐतिहासिक रहस्यानुभूति महसूस करें ।
- छात्र कालिदासयुगीन साहित्य के माध्यम से जन–साधारण की भावना को समझेंगे ।

| **पाठ्य क्रम** | **पाठ्य ईकाई** | **पाठ्य–विषय** | **अंक** |
|---|---|---|---|
| **स्नातक** | **ईकाई–१** | मोहन राकेश का व्यक्तित्व – कृतित्व | इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें ।<br>प्रश्न × अंक<br>०४ × १० = ४० (आलोचनात्मक)<br>०१ × १० = १० (टिप्पणी चार में से |
| | | ‘आषाढ़ का एक दिन’ नाटक का कथानक | |
| | **ईकाई–२** | नाटक के तत्वों के आधार पर ‘आषाढ़ का एक दिन’ नाटक की समीक्षा | |
| | | ‘आषाढ़ का एक दिन’ नाटक की पात्र-योजना | |
| | **ईकाई–३** | ‘आषाढ़ का एक दिन’ नाटक में युगबोध | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक में जीवन-दर्शन | किन्हीं दो ५×५ = १०) |
| | **ईकाई–४** | 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक में विविध समस्याएँ | |
| | | 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक का उद्देश्य, शीर्षक, भाषा-शैली, परिवेश, संवाद-योजना, अंत। | |
| | | **कुल अंक** | ५० |

## आंतरिक मूल्यांकन

| क्रम | मूल्यांकन विषय | अंक |
|---|---|---|
| १ | आंतरिक कसौटी | २५ |
| २ | क्लास कसौटी | ०५ |
| ३ | खुली किताब कसौटी | ०५ |
| ४ | खुली नोट कसौटी | ०५ |
| ५ | स्व–कसौटी/ऑनलाइन कसौटी | ०५ |
| ६ | निबंध/प्रपत्र लेखन | ०५ |
| ७ | प्रश्नोत्तरी/वस्तुनिष्ठ कसौटी | ०५ |
| ८ | क्लास असाईन्मेन्ट | ०५ |
| ९ | होम असाईन्मेन्ट | ०५ |
| १० | रपट लेखन | ०५ |
| ११ | सेशोधन/लघुशोध प्रबेध | ०५ |
| १२ | केस अध्ययन | ०५ |
| १३ | मौखिकी/मौखिक कसौटी | ०५ |
| १४ | समूहचर्चा | ०५ |
| १५ | रोल प्ले | ०५ |
| १६ | प्रपत्र पठन/सेमिनार | ०५ |

| | | |
|---|---|---|
| १७ | भाषा प्रयोगशाला कार्य | ०५ |
| १८ | साक्षात्कार | ०५ |
| १९ | शिल्प कार्य | ०५ |
| २० | सह अभ्यासकीय कार्य | ०५ |
| २१ | क्षेत्र असाईन्मेन्ट | ०५ |
| २२ | पोस्टर प्रस्तुति | ०५ |
| २३ | उपस्थिति | ०५ |
| २४ | प्रोजेक्ट कार्य | ०५ |
| | **कुल अंक** | **५०** |

**नोट : क्रम संख्या १ अनिवार्य है । क्रम संख्या २ से २४ तक किन्हीं पाँच का चयन करें, प्रत्येक के पाँच अंक निर्धारित है, छात्र को आंतरिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए १८ अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा ।**

## प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

| **क्रम** | **प्रश्न का स्वरूप** | **समय** | **कुल प्रश्न** | **अंक** | **कुल अंक** |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | आलोचनात्मक प्रश्न | २.०० | ०४ | १० | ४० |
| २. | संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) | | ०२ | ०५ | १० |

**नोट :** ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.०० घण्टे का रहेगा ।
★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ५० अंक का रहेगा ।

**पाठ्य पुस्तक : आषाढ़ का एक दिन**
**लेखक : मोहन राकेश**
**प्राप्ति स्थान: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**

**संदर्भ ग्रंथ :**

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली
२. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानवत – अनुपम प्रकाशन, जयपुर
३. हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य–खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. हिन्दी का गद्य पर्व : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
५. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
६. हिन्दी नाटक : वर्तमान संदर्भ : डॉ. परमेश्वरी शर्मा, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली
७. हिन्दी के निर्माण : कुमुद शर्मा – भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
८. हिन्दी नाटक : स्त्री संदर्भ : प्रज्ञा, नई किताब प्रकाशन, नई दिल्ली
९. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल अब तक : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन
१०. भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास, अज्ञात, पुस्तक संस्थान, कानपुर
११. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. ईश्वरदत्त शील : डॉ. आभारानी – चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर
१२. हिन्दी साहित्य का प्रवृतिपरक इतिहास : डॉ. सभापति मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१३. हिन्दी नाटक: उदभव और विकास, डॉ. दशरथ ओझा राजपाल एंड संस, नयी दिल्ली
१४. भारतीय नाटक और रंगमंच, जगदीश चतुर्वेदी, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली
१५. मोहन राकेश के उपन्यासों में चरित्र सृष्टि, डॉ. लक्ष्मण जे. वाणवी, के. एस. प्रकाशन, भोपाल

**BHAKTA KAVI NARSINH MEHTA UNIVERSITY**
**Major/Minor/Multidisciplinary**
**Syllabus of B.A. (Honors) as per NEP-2020**
**Faculty of Arts**
**Effective from June 2024**
**Subject: HINDI**
**SEMESTER-III & IV**

| | |
|---|---|
| **विषय** | हिन्दी |
| **सत्र** | ०३ |
| **पाठ्यक्रम प्रकार** | Multidisciplinary Course - बहुविषयक पाठ्यक्रम |
| **पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक** | चयनित नाटककार : जगदीशचंद्र माथुर कृत 'कोणार्क' |
| **पाठ्यक्रम क्रमांक** | ०३ |
| **परीक्षा समयावधि** | २:०० घण्टे |

| **पाठ्यक्रम कक्षा** | **सत्र** | **पाठ्यक्रम प्रकार** | **पाठ्यक्रम क्रमांक** | **क्रेडिट (मूल्य)** | **आंतरिक अंक** | **बाह्य अंक** | **कुल अंक** |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स्नातक | ०३ | Multidisciplinary Course – बहुविषयक पाठ्यक्रम | ०३ | ०४ | ५० | ५० | १०० |

**पाठ्यक्रम उद्देश्य :**
- छात्रों को हिन्दी नाटक साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों को जगदीशचंद्र माथुर जी के नाटक के माध्यम से मानवीय-मूल्यों के प्रति उन्मुख कराना ।
- छात्रों को हिन्दी के सिद्धहस्त नाटककार जगदीशचंद्र माथुर जी से परिचित कराना।
- तत्कालीन समाज चित्रण के द्वारा छात्रों में राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव और सामाजिक दायित्व का गुण विकसित करना ।

| **पाठ्य क्रम** | **पाठ्य ईकाई** | **पाठ्य–विषय** | **अंक** |
|---|---|---|---|
| स्नातक | ईकाई–१ | जगदीशचंद्र माथुर का व्यक्तित्व – कृतित्व | इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें ।<br>प्रश्न × अंक<br>०४ × १० = ४० (आलोचनात्मक) |
| | | 'कोणार्क' नाटक का कथानक | |
| | ईकाई–२ | नाटक के तत्वों के आधार पर 'कोणार्क' नाटक की समीक्षा | |
| | | 'कोणार्क' नाटक की पात्र-योजना | |
| | ईकाई–३ | 'कोणार्क' नाटक में युगबोध | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | 'कोणार्क' नाटक में जीवन-दर्शन | ०१ × १० = १० (टिप्पणी चार में से किन्हीं दो ५×५ = १०) |
| | ईकाई–४ | 'कोणार्क' नाटक में विविध समस्याएँ | |
| | | 'कोणार्क' नाटक का उद्देश्य, शीर्षक, भाषा-शैली, परिवेश, संवाद-योजना, अंत । | |
| | | **कुल अंक** | ५० |

## आंतरिक मूल्यांकन

| क्रम | **मूल्यांकन विषय** | अंक |
|---|---|---|
| १ | आंतरिक कसौटी | २५ |
| २ | क्लास कसौटी | ०५ |
| ३ | खुली किताब कसौटी | ०५ |
| ४ | खुली नोट कसौटी | ०५ |
| ५ | स्व–कसौटी/ऑनलाइन कसौटी | ०५ |
| ६ | निबंध/प्रपत्र लेखन | ०५ |
| ७ | प्रश्नोत्तरी/वस्तुनिष्ठ कसौटी | ०५ |
| ८ | क्लास असाईन्मेन्ट | ०५ |
| ९ | होम असाईन्मेन्ट | ०५ |
| १० | रपट लेखन | ०५ |
| ११ | सेशोधन/लघुशोध प्रबेध | ०५ |
| १२ | केस अध्ययन | ०५ |
| १३ | मौखिकी/मौखिक कसौटी | ०५ |
| १४ | समूहचर्चा | ०५ |
| १५ | रोल प्ले | ०५ |

| | | |
|---|---|---|
| १६ | प्रपत्र पठन/सेमिनार | ०५ |
| १७ | भाषा प्रयोगशाला कार्य | ०५ |
| १८ | साक्षात्कार | ०५ |
| १९ | शिल्प कार्य | ०५ |
| २० | सह अभ्यासकीय कार्य | ०५ |
| २१ | क्षेत्र असाईन्मेन्ट | ०५ |
| २२ | पोस्टर प्रस्तुति | ०५ |
| २३ | उपस्थिति | ०५ |
| २४ | प्रोजेक्ट कार्य | ०५ |
| | **कुल अंक** | **५०** |

**नोट : क्रम संख्या १ अनिवार्य है । क्रम संख्या २ से २४ तक किन्हीं पाँच का चयन करें, प्रत्येक के पाँच अंक निर्धारित है, छात्र को आंतरिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए १८ अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा ।**

## प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

| **क्रम** | **प्रश्न का स्वरूप** | **समय** | **कुल प्रश्न** | **अंक** | **कुल अंक** |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | आलोचनात्मक प्रश्न | २.०० | ०४ | १० | ४० |
| २. | संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) | | ०२ | ०५ | १० |

| | |
|---|---|
| **नोट :** ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.०० घण्टे का रहेगा ।<br>★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ५० अंक का रहेगा । | **पाठ्य पुस्तक :** 'कोणार्क'<br>**लेखक :** जगदीशचंद्र माथुर<br>**प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली** |

**संदर्भ ग्रंथ :**

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली

२. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानवत – अनुपम प्रकाशन, जयपुर

३. हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य–खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

४. हिन्दी का गद्य पर्व : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

५. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

६. हिन्दी नाटक : वर्तमान संदर्भ : डॉ. परमेश्वरी शर्मा, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली

७. हिन्दी के निर्माण : कुमुद शर्मा – भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली

८. हिन्दी नाटक : स्त्री संदर्भ : प्रज्ञा, नई किताब प्रकाशन, नई दिल्ली

९. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल अब तक : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन

१०. भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास, अज्ञात, पुस्तक संस्थान, कानपुर

११. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. ईश्वरदत्त शील : डॉ. आभारानी – चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर

१२. हिन्दी साहित्य का प्रवृतिपरक इतिहास : डॉ. सभापति मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

१३. हिन्दी नाटक: उदभव और विकास, डॉ. दशरथ ओझा राजपाल एंड संस, नयी दिल्ली

# चतुर्थ सत्र

**BHAKTA KAVI NARSINH MEHTA UNIVERSITY**
**Major/Minor/Multidisciplinary**
**Syllabus of B.A. (Honors) as per NEP-2020**
**Faculty of Arts**
**Effective from June 2024**
**Subject: HINDI**
**SEMESTER-III & IV**

| | |
|---|---|
| **विषय** | हिन्दी |
| **सत्र** | ०४ |
| **पाठ्यक्रम प्रकार** | Major - मुख्य पाठ्यक्रम |
| **पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक** | हिन्दी उपन्यास : 'सारा आकाश' (राजन्द्र यादव) |
| **पाठ्यक्रम क्रमांक** | ०८ |
| **परीक्षा समयावधि** | २:०० घण्टे |

| पाठ्यक्रम कक्षा | सत्र | पाठ्यक्रम प्रकार | पाठ्यक्रम क्रमांक | क्रेडिट (मूल्य) | आंतरिक अंक | बाह्य अंक | कुल अंक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स्नातक | ०४ | Major - मुख्य पाठ्यक्रम | ०८ | ०४ | ५० | ५० | १०० |

**पाठ्यक्रम उद्देश्य :**

- छात्रों को हिन्दी उपन्यास साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों **राजेन्द्र यादव** के उपन्यास के माध्यम से मानवीय-मूल्यों के प्रति उन्मुख कराना ।
- छात्रों को हिन्दी के सिद्धहस्त उपन्यासकार **राजेन्द्र यादव** से परिचित कराना ।
- **राजेन्द्र यादव** के उपन्यास के द्वारा छात्रों में जीवन-दर्शन और युगबोध की समझ विकसित करना ।

| पाठ्य क्रम | पाठ्य ईकाई | पाठ्य–विषय | अंक |
|---|---|---|---|
| स्नातक | ईकाई–१ | राजेन्द्र यादव का व्यक्तित्व – कृतित्व | इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें ।<br>प्रश्न × अंक<br>०४ × १० = ४० (आलोचनात्मक)<br>०१ × १० = १० (टिप्पणी चार में से |
| | | 'सारा आकाश' उपन्यास का कथानक | |
| | ईकाई–२ | औपन्यासिक तत्वों के आधार पर 'सारा आकाश' उपन्यास की समीक्षा | |
| | | 'सारा आकाश' उपन्यास की पात्र-योजना | |
| | ईकाई–३ | 'सारा आकाश' उपन्यास में युगबोध | |
| | | 'सारा आकाश' उपन्यास में जीवन-दर्शन | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | **ईकाई–४** | 'सारा आकाश' उपन्यास में विविध सामाजिक समस्याएँ<br>'सारा आकाश' उपन्यास का उद्देश्य, शीर्षक, भाषा-शैली, परिवेश, संवाद-योजना, अंत । | किन्हीं दो ५×५ = १०) |
| | | **कुल अंक** | ५० |

## प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

| क्रम | प्रश्न का स्वरूप | समय | कुल प्रश्न | अंक | कुल अंक |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | आलोचनात्मक प्रश्न | २.०० | ०४ | १० | ४० |
| २. | संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) | | ०२ | ०५ | १० |

| | |
|---|---|
| **नोट :** ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.०० घण्टे का रहेगा ।<br>★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ५० अंक का रहेगा । | **पाठ्य पुस्तक :** 'सारा आकाश'<br>**संपादक :** – राजेन्द्र यादव<br>**प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली** |

## आंतरिक मूल्यांकन

| **क्रम** | **मूल्यांकन विषय** | **अंक** |
|---|---|---|
| १ | आंतरिक कसौटी | २५ |
| २ | क्लास कसौटी | ०५ |
| ३ | खुली किताब कसौटी | ०५ |
| ४ | खुली नोट कसौटी | ०५ |
| ५ | स्व–कसौटी/ऑनलाइन कसौटी | ०५ |
| ६ | निबंध/प्रपत्र लेखन | ०५ |
| ७ | प्रश्नोत्तरी/वस्तुनिष्ठ कसौटी | ०५ |

| | | |
|---|---|---|
| ८ | क्लास असाईन्मेन्ट | ०५ |
| ९ | होम असाईन्मेन्ट | ०५ |
| १० | रपट लेखन | ०५ |
| ११ | सेशोधन/लघुशोध प्रबेध | ०५ |
| १२ | केस अध्ययन | ०५ |
| १३ | मौखिकी/मौखिक कसौटी | ०५ |
| १४ | समूहचर्चा | ०५ |
| १५ | रोल प्ले | ०५ |
| १६ | प्रपत्र पठन/सेमिनार | ०५ |
| १७ | भाषा प्रयोगशाला कार्य | ०५ |
| १८ | साक्षात्कार | ०५ |
| १९ | शिल्प कार्य | ०५ |
| २० | सह अभ्यासकीय कार्य | ०५ |
| २१ | क्षेत्र असाईन्मेन्ट | ०५ |
| २२ | पोस्टर प्रस्तुति | ०५ |
| २३ | उपस्थिति | ०५ |
| २४ | प्रोजेक्ट कार्य | ०५ |
| | **कुल अंक** | **५०** |

**नोट : क्रम संख्या १ अनिवार्य है। क्रम संख्या २ से २४ तक किन्हीं पाँच का चयन करें, प्रत्येक के पाँच अंक निर्धारित है, छात्र को आंतरिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए १८ अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।**

**संदर्भ ग्रंथ :**

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल अब तक : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन
२. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली
४. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानवत – अनुपम प्रकाशन, जयपुर
५. हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य–खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. हिन्दी का गद्य पर्व : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
७. गद्य विविधा : डॉ. नागेश्वर सिंह : डॉ. माया प्रसाद – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
८. हिन्दी के निर्माण : कुमुद शर्मा – भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
९. हिन्दी गद्य के विविध साहित्य–रूपों का उद्‌भव और विकास : डॉ. बलवन्त लक्ष्मण कोतमिरे –किताब महल, दिल्ली
१०. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. ईश्वरदत्त शील : डॉ. आभारानी – चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर
११. हिन्दी उपन्यास पृष्ठ भूमि और परम्परा : डा. बद्रीदास : ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर
१२. https://hindisamay.com
१३. https://egyankosh.ac.in
१४. https://hi.wikipedia.org

**BHAKTA KAVI NARSINH MEHTA UNIVERSITY**
**Major/Minor/Multidisciplinary**
**Syllabus of B.A. (Honors) as per NEP-2020**
**Faculty of Arts**
**Effective from June 2024**
**Subject: HINDI**
**SEMESTER-III & IV**

| | |
|---|---|
| **विषय** | हिन्दी |
| **सत्र** | ०४ |
| **पाठ्यक्रम प्रकार** | Major - मुख्य पाठ्यक्रम |
| **पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक** | हिन्दी साहित्य का इतिहास–आधुनिककाल – २ (छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता) |
| **पाठ्यक्रम क्रमांक** | ०९ |
| **परीक्षा समयावधि** | २:०० घण्टे |

| पाठ्यक्रम कक्षा | सत्र | पाठ्यक्रम प्रकार | पाठ्यक्रम क्रमांक | क्रेडिट (मूल्य) | आंतरिक अंक | बाह्य अंक | कुल अंक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स्नातक | ०४ | Major - मुख्य पाठ्यक्रम | ०९ | ०४ | ५० | ५० | १०० |

**पाठ्यक्रम उद्देश्य :**

- छात्रगण आधुनिककाल की साहित्यिक परिस्थितियों को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण आधुनिककालीन काव्यधारा का पठन करके एकता और समन्वय के प्रति आशावादी होंगे ।
- छात्रगण आधुनिककालीन विविध आंदोलन के बारे में विस्तार से समझे ।
- छात्र आधुनिककालीन साहित्य के माध्यम से जन–साधारण की भावना को समझेंगे ।
- छात्र आधुनिककाल के माध्यम से प्राकृतिक रहस्यानुभूति महसूस करें ।
- छात्रगण आधुनिककालीन साहित्यकारों से परिचित होंगे ।

**BHAKTA KAVI NARSINH MEHTA UNIVERSITY**

**Major/Minor/Multidisciplinary**

**Syllabus of B.A. (Honors) as per NEP-2020**

**Faculty of Arts**

**Effective from June 2024**

**Subject: HINDI**

**SEMESTER-III & IV**

| पाठ्य क्रम | पाठ्य ईकाई | पाठ्य–विषय | अंक |
|---|---|---|---|
| स्नातक | ईकाई–१ | छायावाद : काव्यगत विशेषताएँ | इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०४ × १० = ४० (आलोचनात्मक) ०१ × १० = १० (टिप्पणी चार में से किन्हीं दो ५×५ = १०) |
| | | छायावाद : प्रमुख कवि | |
| | ईकाई–२ | प्रगतिवाद : काव्यगत विशेषताएँ | |
| | | प्रगतिवाद : प्रमुख कवि | |
| | ईकाई–३ | प्रयोगवाद : काव्यगत विशेषताएँ | |
| | | प्रयोगवाद : प्रमुख कवि | |
| | ईकाई–४ | नई कविता : काव्यगत विशेषताएँ | |
| | | नई कविता : प्रमुख कवि | |
| | | **कुल अंक** | ५० |

## आंतरिक मूल्यांकन

| क्रम | मूल्यांकन विषय | अंक |
|---|---|---|
| १ | आंतरिक कसौटी | २५ |
| २ | क्लास कसौटी | ०५ |
| ३ | खुली किताब कसौटी | ०५ |
| ४ | खुली नोट कसौटी | ०५ |
| ५ | स्व–कसौटी/ऑनलाइन कसौटी | ०५ |
| ६ | निबंध/प्रपत्र लेखन | ०५ |
| ७ | प्रश्नोत्तरी/वस्तुनिष्ठ कसौटी | ०५ |
| ८ | क्लास असाईन्मेन्ट | ०५ |
| ९ | होम असाईन्मेन्ट | ०५ |

| | | |
|---|---|---|
| १० | रपट लेखन | ०५ |
| ११ | सेशोधन/लघुशोध प्रबेध | ०५ |
| १२ | केस अध्ययन | ०५ |
| १३ | मौखिकी/मौखिक कसौटी | ०५ |
| १४ | समूहचर्चा | ०५ |
| १५ | रोल प्ले | ०५ |
| १६ | प्रपत्र पठन/सेमिनार | ०५ |
| १७ | भाषा प्रयोगशाला कार्य | ०५ |
| १८ | साक्षात्कार | ०५ |
| १९ | शिल्प कार्य | ०५ |
| २० | सह अभ्यासकीय कार्य | ०५ |
| २१ | क्षेत्र असाईन्मेन्ट | ०५ |
| २२ | पोस्टर प्रस्तुति | ०५ |
| २३ | उपस्थिति | ०५ |
| २४ | प्रोजेक्ट कार्य | ०५ |
| | **कुल अंक** | **५०** |

**नोट : क्रम संख्या १ अनिवार्य है । क्रम संख्या २ से २४ तक किन्हीं पाँच का चयन करें, प्रत्येक के पाँच अंक निर्धारित है, छात्र को आंतरिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए १८ अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा ।**

**BHAKTA KAVI NARSINH MEHTA UNIVERSITY**

**Major/Minor/Multidisciplinary**

**Syllabus of B.A. (Honors) as per NEP-2020**

**Faculty of Arts**

**Effective from June 2024**

**Subject: HINDI**

**SEMESTER-III & IV**

## प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

| क्रम | प्रश्न का स्वरूप | समय | कुल प्रश्न | अंक | कुल अंक |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | आलोचनात्मक प्रश्न | २.०० | ०४ | १० | ४० |
| २. | संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) | | ०२ | ०५ | १० |

| | |
|---|---|
| **नोट :** ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.०० घण्टे का रहेगा ।<br>★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ५० अंक का रहेगा । | **पाठ्य पुस्तक : हिन्दी साहित्य का इतिहास**<br>**लेखक : – रामचन्द्र शुक्ल**<br>**प्राप्ति स्थान : नागरी प्रचारिणी सभा, काशी** |

**संदर्भ ग्रंथ :**

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली
२. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानवत – अनुपम प्रकाशन, जयपुर
३. हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य–खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. हिन्दी का गद्य पर्व : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
५. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
६. लंबी कविताओं का रचना विधान : सं. नरेन्द्रमोहन – दि. मैकमिलकन कंपनी ऑफ इन्डिया लिमिटेड, दिल्ली
७. हिन्दी के निर्माण : कुमुद शर्मा – भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
८. कविता की जमीन और जमीन की कविता : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
९. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल अब तक : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन
१०. हिन्दी भाषा का इतिहास : प्रो. ओमप्रकाश तरूण : रीगल बुक डिपो, दिल्ली
११. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. ईश्वरदत्त शील : डॉ. आभारानी – चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर
१२. हिन्दी साहित्य का प्रवृतिपरक इतिहास : डॉ. सभापति मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिककाल सन १८५० से आजतक, डॉ. देवायत एम. सोलंकी, आयुध प्रकाशन, भावनगर

**BHAKTA KAVI NARSINH MEHTA UNIVERSITY**
**Major/Minor/Multidisciplinary**
**Syllabus of B.A. (Honors) as per NEP-2020**
**Faculty of Arts**
**Effective from June 2024**
**Subject: HINDI**
**SEMESTER-III & IV**

| | |
|---|---|
| **विषय** | हिन्दी |
| **सत्र** | ०४ |
| **पाठ्यक्रम प्रकार** | Major - मुख्य पाठ्यक्रम |
| **पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक** | हिन्दी नाटक : 'एक और द्रोणाचाय' (शकर शष) |
| **पाठ्यक्रम क्रमांक** | १० |
| **परीक्षा समयावधि** | २:०० घण्टे |

| पाठ्यक्रम कक्षा | सत्र | पाठ्यक्रम प्रकार | पाठ्यक्रम क्रमांक | क्रेडिट (मूल्य) | आंतरिक अंक | बाह्य अंक | कुल अंक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स्नातक | ०४ | Major - मुख्य पाठ्यक्रम | १० | ०४ | ५० | ५० | १०० |

**पाठ्‌यक्रम उद्देश्य :**

- छात्रगण शंकर शेष के बारे में विस्तार से समझे ।
- छात्रगण ऐतिहासिक नाट्य धारा का पठन करके एकता, समन्वय, और ईश्वरीय सत्ता के प्रति आशावादी होंगे ।
- छात्र ऐतिहासिक व समसामयिक रहस्यानुभूति महसूस करें ।
- छात्र समसामयिक जन–साधारण की भावना को समझेंगे ।

| पाठ्‌य क्रम | पाठ्‌य ईकाई | पाठ्‌य–विषय | अंक |
|---|---|---|---|
| स्नातक | ईकाई–१ | शंकर शेष का व्यक्तित्व – कृतित्व | इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें ।<br>प्रश्न × अंक<br>०४ × १० = ४० (आलोचनात्मक)<br>०१ × १० = १० (टिप्पणी चार में से |
| | | 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक का कथानक | |
| | ईकाई–२ | नाटक के तत्वों के आधार पर 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक की समीक्षा | |
| | | 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक की पात्र-योजना | |
| | ईकाई–३ | 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक में युगबोध | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक में जीवन-दर्शन | किन्हीं दो ५×५ = १०) |
| | **ईकाई–४** | 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक में विविध समस्याएँ | |
| | | 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक का उद्देश्य, शीर्षक, भाषा-शैली, परिवेश, संवाद-योजना, अंत । | |
| | | **कुल अंक** | ५० |

## आंतरिक मूल्यांकन

| **क्रम** | **मूल्यांकन विषय** | **अंक** |
|---|---|---|
| १ | आंतरिक कसौटी | २५ |
| २ | क्लास कसौटी | ०५ |
| ३ | खुली किताब कसौटी | ०५ |
| ४ | खुली नोट कसौटी | ०५ |
| ५ | स्व–कसौटी/ऑनलाइन कसौटी | ०५ |
| ६ | निबंध/प्रपत्र लेखन | ०५ |
| ७ | प्रश्नोत्तरी/वस्तुनिष्ठ कसौटी | ०५ |
| ८ | क्लास असाईन्मेन्ट | ०५ |
| ९ | होम असाईन्मेन्ट | ०५ |
| १० | रपट लेखन | ०५ |
| ११ | सेशोधन/लघुशोध प्रबेध | ०५ |
| १२ | केस अध्ययन | ०५ |
| १३ | मौखिकी/मौखिक कसौटी | ०५ |
| १४ | समूहचर्चा | ०५ |
| १५ | रोल प्ले | ०५ |

| | | |
|---|---|---|
| १६ | प्रपत्र पठन/सेमिनार | ०५ |
| १७ | भाषा प्रयोगशाला कार्य | ०५ |
| १८ | साक्षात्कार | ०५ |
| १९ | शिल्प कार्य | ०५ |
| २० | सह अभ्यासकीय कार्य | ०५ |
| २१ | क्षेत्र असाईन्मेन्ट | ०५ |
| २२ | पोस्टर प्रस्तुति | ०५ |
| २३ | उपस्थिति | ०५ |
| २४ | प्रोजेक्ट कार्य | ०५ |
| | **कुल अंक** | **५०** |

**नोट : क्रम संख्या १ अनिवार्य है । क्रम संख्या २ से २४ तक किन्हीं पाँच का चयन करें, प्रत्येक के पाँच अंक निर्धारित है, छात्र को आंतरिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए १८ अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा ।**

## प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

| क्रम | प्रश्न का स्वरूप | समय | कुल प्रश्न | अंक | कुल अंक |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | आलोचनात्मक प्रश्न | २.०० | ०४ | १० | ४० |
| २. | संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) | | ०२ | ०५ | १० |

**नोट :** ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.०० घण्टे का रहेगा ।
★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ५० अंक का रहेगा ।

**पाठ्य पुस्तक : एक और द्रोणाचार्य**
**लेखक : शंकर शेष**
**प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली**

**संदर्भ ग्रंथ :**

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली
२. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानवत – अनुपम प्रकाशन, जयपुर
३. हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य–खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. हिन्दी का गद्य पर्व : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
५. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
६. हिन्दी नाटक : वर्तमान संदर्भ : डॉ. परमेश्वरी शर्मा, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली
७. हिन्दी के निर्माण : कुमुद शर्मा – भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
८. हिन्दी नाटक : स्त्री संदर्भ : प्रज्ञा, नई किताब प्रकाशन, नई दिल्ली
९. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल अब तक : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन
१०. भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास, अज्ञात, पुस्तक संस्थान, कानपुर
११. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. ईश्वरदत्त शील : डॉ. आभारानी – चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर
१२. हिन्दी साहित्य का प्रवृतिपरक इतिहास : डॉ. सभापति मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१३. हिन्दी नाटक: उदभव और विकास, डॉ. दशरथ ओझा राजपाल एंड संस, नयी दिल्ली
१४. भारतीय नाटक और रंगमंच, जगदीश चतुर्वेदी, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली

**BHAKTA KAVI NARSINH MEHTA UNIVERSITY**
**Major/Minor/Multidisciplinary**
**Syllabus of B.A. (Honors) as per NEP-2020**
**Faculty of Arts**
**Effective from June 2024**
**Subject: HINDI**
**SEMESTER-III & IV**

| | |
|---|---|
| **विषय** | हिन्दी |
| **सत्र** | ०४ |
| **पाठ्यक्रम प्रकार** | Minor – गौण पाठ्यक्रम |
| **पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक** | चयनित उपन्यासकार: जगदीश्चंद्र कृत 'धरती धन न अपना' |
| **पाठ्यक्रम क्रमांक** | ०३ |
| **परीक्षा समयावधि** | २:०० घण्टे |

| **पाठ्यक्रम कक्षा** | **सत्र** | **पाठ्यक्रम प्रकार** | **पाठ्यक्रम क्रमांक** | **क्रेडिट (मूल्य)** | **आंतरिक अंक** | **बाह्य अंक** | **कुल अंक** |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स्नातक | ०४ | Minor - गौण पाठ्यक्रम | ०३ | ०४ | ५० | ५० | १०० |

**पाठ्यक्रम उद्देश्य :**

- छात्रगण समसामयिक किसान जीवन की परिस्थितियों को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण समसामयिक उपन्यास साहित्य का पठन करके एकता और समन्वय का भाव समझे ।
- छात्रगण जगदीश्चंद्र के बारे में विस्तार से समझे ।
- छात्र ग्रामीण जीवन के माध्यम से जन-साधारण की भावना को समझेंगे ।

| **पाठ्य क्रम** | **पाठ्य ईकाई** | **पाठ्य-विषय** | **अंक** |
|---|---|---|---|
| स्नातक | ईकाई-१ | जगदीश्चंद्र का व्यक्तित्व एवं कृतित्व | इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०४ × १० = ४० (आलोचनात्मक) ०१ × १० = १० (टिप्पणी चार में से |
| | | 'धरती धन न अपना' उपन्यास की कथावस्तु | |
| | ईकाई-२ | उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'धरती धन न अपना' उपन्यास की समीक्षा | |
| | | 'धरती धन न अपना' उपन्यास के प्रमुख पात्र | |
| | ईकाई-३ | 'धरती धन न अपना' उपन्यास में किसानों की समस्याएँ | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | 'धरती धन न अपना' उपन्यास में व्यक्त ग्रामीण जीवन | किन्हीं दो ५×५ = १०) |
| | **ईकाई–४** | 'धरती धन न अपना' उपन्यास में व्यक्त दलित जीवन | |
| | | 'धरती धन न अपना' उपन्यास की भाषा-शैली, उद्देश्य, शीर्षक, परिवेश, संवाद-योजना | |
| | | **कुल अंक** | ५० |

## आंतरिक मूल्यांकन

| क्रम | मूल्यांकन विषय | अंक |
|---|---|---|
| १ | आंतरिक कसौटी | २५ |
| २ | क्लास कसौटी | ०५ |
| ३ | खुली किताब कसौटी | ०५ |
| ४ | खुली नोट कसौटी | ०५ |
| ५ | स्व–कसौटी/ऑनलाइन कसौटी | ०५ |
| ६ | निबंध/प्रपत्र लेखन | ०५ |
| ७ | प्रश्नोत्तरी/वस्तुनिष्ठ कसौटी | ०५ |
| ८ | क्लास असाईन्मेन्ट | ०५ |
| ९ | होम असाईन्मेन्ट | ०५ |
| १० | रपट लेखन | ०५ |
| ११ | सेशोधन/लघुशोध प्रबेध | ०५ |
| १२ | केस अध्ययन | ०५ |
| १३ | मौखिकी/मौखिक कसौटी | ०५ |
| १४ | समूहचर्चा | ०५ |
| १५ | रोल प्ले | ०५ |

| | | |
|---|---|---|
| १६ | प्रपत्र पठन/सेमिनार | ०५ |
| १७ | भाषा प्रयोगशाला कार्य | ०५ |
| १८ | साक्षात्कार | ०५ |
| १९ | शिल्प कार्य | ०५ |
| २० | सह अभ्यासकीय कार्य | ०५ |
| २१ | क्षेत्र असाईन्मेन्ट | ०५ |
| २२ | पोस्टर प्रस्तुति | ०५ |
| २३ | उपस्थिति | ०५ |
| २४ | प्रोजेक्ट कार्य | ०५ |
| | **कुल अंक** | **५०** |

**नोट : क्रम संख्या १ अनिवार्य है । क्रम संख्या २ से २४ तक किन्हीं पाँच का चयन करें, प्रत्येक के पाँच अंक निर्धारित है, छात्र को आंतरिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए १८ अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा ।**

## प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

| क्रम | प्रश्न का स्वरूप | समय | कुल प्रश्न | अंक | कुल अंक |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | आलोचनात्मक प्रश्न | २.०० | ०४ | १० | ४० |
| २. | संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) | | ०२ | ०५ | १० |

| | |
|---|---|
| **नोट :** ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.०० घण्टे का रहेगा ।<br>★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ५० अंक का रहेगा । | **पाठ्य पुस्तक : 'धरती धन न अपना'**<br>**लेखक : जगदीश्चंद्र**<br>**प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली** |

**संदर्भ ग्रंथ :**

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल अब तक : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन
२. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली
४. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानवत – अनुपम प्रकाशन, जयपुर
५. हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य–खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. हिन्दी का गद्य पर्व : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
७. गद्य विविधा : डॉ. नागेश्वर सिंह : डॉ. माया प्रसाद – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
८. हिन्दी के निर्माण : कुमुद शर्मा – भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
९. हिन्दी गद्य के विविध साहित्य–रूपों का उद्‌भव और विकास : डॉ. बलवन्त लक्ष्मण कोतमिरे –किताब महल, दिल्ली
१०. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. ईश्वरदत्त शील : डॉ. आभारानी – चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर
११. हिन्दी उपन्यास पृष्ठ भूमि और परम्परा : डा. बद्रीदास : ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर
१२. हिन्दी के ऐतिहासिक उपन्यास में इतिहास प्रयोग : डॉ. गोविंद जी
१३. दलित साहित्य की अवधारणा, कंवल भारती, बोधिसत्व प्रकाशन, रामपुर (उ. प्र.)
१४. जगदीशचंद्र : एक रचनात्मक यात्रा, तरसेम गुजराल और विनोद साही, सतलुज प्रकाशन, पंचकुला, हरियाणा

**BHAKTA KAVI NARSINH MEHTA UNIVERSITY**

**Major/Minor/Multidisciplinary**

**Syllabus of B.A. (Honors) as per NEP-2020**

**Faculty of Arts**

**Effective from June 2024**

**Subject: HINDI**

**SEMESTER-III & IV**

## U.G. SEM- 3 & 4 (NEP-2020) Paper Style

| | | |
|---|---|---|
| | **प्रश्नपत्र का प्रारूप** | **५० अंक** |
| **Que. No.** | **Particulars** | **अंक** |
| **Que-1** | प्र.१ ........................................ | १० अंक |
| | अथवा | |
| | प्र.१ ........................................ | १० अंक |
| **Que-2** | प्र.२ ........................................ | १० अंक |
| | अथवा | |
| | प्र.२ ........................................ | १० अंक |
| **Que-3** | प्र.३ ........................................ | १० अंक |
| | अथवा | |
| | प्र.३ ........................................ | १० अंक |
| **Que-4** | प्र.४ ........................................ | १० अंक |
| | अथवा | |
| | प्र.४ ........................................ | १० अंक |
| **Que-5** | प्र.५ टिप्पणियाँ (२/४) | १० अंक |